भारत अध्ययन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

एवं

याज्ञवल्क्य सेवार्थ संस्थानम्, वाराणसी

के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय साहित्य, समाज, संस्कृति एवं शिक्षा

14 मार्च 2026

माध्यम ऑनलाइन एवं ऑफलाइन

संयोजक

आचार्य विश्वामित्र मिश्र

संस्थापक, याज्ञवल्क्य सेवार्थ संस्थानम्,

वाराणसी

सचिव

बीरभद्र प्रताप सिंह

संस्थापक, दिवि वेलफेयर फाउन्डेशन

वाराणसी

समन्वयक

डॉ० सनत कुमार

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

स्थान- भारत अध्ययन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

आयोजक

भारत अध्ययन केन्द्र

भारत अध्ययन केंद्र (Bharat Adhyayan Kendra), काशी हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) का एक महत्वपूर्ण अकादमिक केंद्र है, जो कला संकाय के अंतर्गत संचालित होता है। यह केंद्र हिंदू धर्म, भारतीय संस्कृति, दर्शन, भाषा, साहित्य एवं प्राचीन भारतीय इतिहास के अध्ययन एवं अनुसंधान पर केंद्रित है। संस्कृत और हिंदू अध्ययन जैसे विशेष पाठ्यक्रमों के माध्यम से यह केंद्र भारतीय ज्ञान परंपराओं को बढ़ावा देता है, जिनमें अंतरराष्ट्रीय छात्र भी भाग लेते हैं। विदेश मंत्रालय के ITEC कार्यक्रम से जुड़े प्रतिभागियों की उपस्थिति इसे वैश्विक आयाम प्रदान करती है। 1916 में महामना मदन मोहन मालवीय द्वारा स्थापित, BHU भारत के सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक है और यह केंद्र उसकी समृद्ध अकादमिक परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है।

याज्ञवल्क्य सेवा संस्थानम्

याज्ञवल्क्य सेवा संस्थान एक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था है, जो भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्यों और समाजसेवा के आदर्शों को आधार बनाकर कार्य करती है। यह संस्थान प्राचीन ऋषि याज्ञवल्क्य के विचारों से प्रेरित होकर शिक्षा, संस्कृति, धर्म, योग, आयुर्वेद एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाता है। संस्थान का प्रमुख उद्देश्य समाज में नैतिक चेतना का विकास, युवाओं में भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान और जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाना है।याज्ञवल्क्य सेवा संस्थान समय-समय पर संगोष्ठियों, व्याख्यानों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सेवा कार्यों एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करता है, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों को भारतीय परंपरा और आधुनिक जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने की प्रेरणा मिलती है।

अवधारणा पत्र

"भारतीय साहित्य, समाज, संस्कृति एवं शिक्षा : समकालीन विमर्श" भारतीय वैचारिक परंपरा के पुनर्पाठ और समकालीन संदर्भों में उसके अनुप्रयोग का एक महत्वपूर्ण अकादमिक प्रयास है। इस संगोष्ठी का ध्येय उस शास्त्रीय दृष्टि से प्रेरित है- "साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः। विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्"- जो यह प्रतिपादित करता है कि साहित्य, कला और विनय से युक्त विद्या ही सच्चे अर्थों में मानव का निर्माण करती है। इसी विचारभूमि के आधार पर यह आयोजन साहित्य, समाज, संस्कृति और शिक्षा के परस्पर संबंधों का समकालीन परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण करता है।भारतीय सभ्यता में इन चारों स्तंभों ने सदैव ज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाई है। वैश्वीकरण और तकनीकी परिवर्तन के वर्तमान युग में सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षण, मूल्य-आधारित शिक्षा के विकास तथा साहित्य की सामाजिक भूमिका के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता और अधिक प्रासंगिक हो गई है। यह संगोष्ठी विद्वानों, शिक्षाविदों और शोधार्थियों के लिए एक साझा मंच प्रदान करेगी, जहाँ परंपरा और आधुनिकता के मध्य संतुलित संवाद संभव हो सकेगा। हमारा संकल्प एक ऐसे सुसंस्कृत और प्रबुद्ध समाज की दिशा में वैचारिक योगदान देना है, जहाँ आधुनिक ज्ञान और भारतीय संस्कारों का सार्थक समन्वय राष्ट्र के बौद्धिक भविष्य को सुदृढ़ आधार प्रदान करे।

उप-विषय

संस्कृत साहित्य
- ❖रामायण और महाभारत की सामाजिकता
- ❖संस्कृत व्याकरण और शास्त्र परम्परा
- ❖आधुनिक संस्कृत साहित्य और समाज
- ❖वैदिक विज्ञान और उसकी उपयोगिता
- ❖संस्कृत काव्यशास्त्र
- ❖भारतीय दर्शन की रूपरेखा
- ❖धर्मशास्त्र का समाजिक योगदान
- ❖वेद और अष्टविकृति
- ❖ज्योतिष की कालगणना
- ❖पाश्चात्य दर्शन और राष्ट्रवाद
- ❖आगमशास्त्र और प्रमाण

हिन्दी साहित्य
- ❖आधुनिक हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श
- ❖संस्कृत का भारतीय संस्कृति में योगदान
- ❖दलित साहित्य: स्वर और संघर्ष
- ❖भारतीय साहित्य में राष्ट्रवाद की अवधारणा

समाजशास्त्र
- ❖भारतीय समाज में संयुक्त परिवार प्रणाली
- ❖जाति व्यवस्था: ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- ❖भक्ति आंदोलन और भारतीय समाज
- ❖भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति
- ❖ग्रामीण और शहरी समाज के बदलते स्वरूप

शिक्षा और संस्कृति
- ❖प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली: गुरुकुल परंपरा
- ❖आधुनिक शिक्षा प्रणाली में भारतीय मूल्य
- ❖डिजिटल शिक्षा: अवसर और चुनौतियाँ
- ❖शिक्षा में नैतिक एवं मूल्यपरक शिक्षा
- ❖महिला शिक्षा और सामाजिक विकास
- ❖ग्रामीण भारत में शिक्षा की समस्याएँ
- ❖भारतीय शिक्षा में अंग्रेज़ी भाषा की भूमिका
- ❖संगीत और नृत्य में भारतीय सांस्कृतिक चेतना
- ❖भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताएँ
- ❖विविधता में एकता: संस्कृति की आत्मा
- ❖भारतीय पर्व और त्यौहारों का सांस्कृतिक महत्व

योग और आयुर्वेद
- ❖योग और आयुर्वेद: भारतीय संस्कृति की देन
- ❖लोक कला और लोक परंपराएँ
- ❖भारतीय संस्कृति पर पाश्चात्य प्रभाव
- ❖भारतीय संस्कृति के संरक्षण की आवश्यकता
- ❖आयुर्वेद: प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति
- ❖आधुनिक जीवन में आयुर्वेद का महत्व
- ❖आयुर्वेद और योग: स्वास्थ्य का समन्वय
- ❖आयुर्वेदिक जीवनशैली और रोग-निवारण
- ❖भारतीय समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास
- ❖आयुर्वेद में त्रिदोष सिद्धांत
- ❖आयुर्वेद और मानसिक स्वास्थ्य
- ❖खेलों का शारीरिक और मानसिक सिद्धांत
- ❖वैश्वीकरण और भारतीय समाज
- ❖भारतीय समाज में खेल संस्कृति
- ❖शिक्षा और खेलों का संतुलन
- ❖योग और खेल प्रदर्शन
- ❖राष्ट्रीय विकास में खेलों की भूमिका
- ❖खेल और अनुशासन
- ❖महिला खिलाड़ियों और खेल ज
- ❖युवा वर्ग और सामाजिक परिवर्तन
- ❖The Evolution of the Hero: From Ancient Epics to Modern Novels.“
- ❖"Education as a Catalyst for Social Justice: A Cross-Cultural Study.“
- ❖Language and Power: The Impact of English on Local Cultural Identity.
- ❖दर्शन की सामाजिक रूपरेखा
- ❖अर्थशास्त्र की सामयिक पृष्ठभूमि

राजनीति विज्ञान
- ❖राजनीतिकरण और भारतीय समाज
- ❖राजनीति के विविध आयाम

अन्य विषयों से सम्बन्धित आलेख भी स्वीकार्य होंगे।

प्रतिभागियों के लिए आवश्यक निर्देश

शोध पत्र हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी भाषा में ही स्वीकार किये जाएंगे। शोध सारांश 250 से 300 शब्द और पूर्ण शोध पत्र की अधिकतम सीमा 2000 से 2500 शब्द तक है। संस्कृत एवं हिंदी में शोध पत्र कोकिला फॉन्ट साइज 14 और यूनिकोड फॉन्ट साइज 14 में तथा अंग्रेजी शोध पत्र टाइम्स न्यू रोमन फॉन्ट साइज 14 में एम. एस. बर्ड फाइल में ही स्वीकार किये जाएंगे। शोध पत्र के प्रारंभ में शोध शीर्षक, अपना पूरा नाम, निवास, संस्थान का नाम, पता, संपर्क नंबर एवं ई-मेल अवश्य लिखें।

शोध पत्र और आलेख को गुणवत्ता के आधार पर प्रकाशन के लिए स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अधिकार आयोजन समिति के पास सुरक्षित होगा।

पंजीयन की अंतिम तिथि
14/03/2026

शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथि।
10/03/2026

Contact Number
7065873728

पंजीयन लिंक (Registration Link)

https://forms.gle/jgo4exVrUJis8w6Q6

संगोष्ठी के लिए पंजीकरण शुल्क

- विद्यार्थियों के लिए २००/-
- शोधार्थियों के लिए ३००/-
- अध्यापक/प्राध्यापक/अन्य प्रबुद्ध जन के लिए - ५००/-

शोध पत्र प्रकाशन शुल्क
Edit Book (ISBN) प्रकाशन शुल्क

- Single authors - 700/-
- Two authors - 1000/-

संरक्षक मण्डल

संरक्षक
प्रो. शरदिंदु त्रिपाठी
समन्वयक,
भारत अध्ययन केन्द्र, बी. एच. यू.

संरक्षक
आचार्य सुरेन्द्र मिश्र
सचिव
याज्ञवल्क्य सेवार्थ संस्थानम्

आयोजन मण्डल

संयोजक
आचार्य विश्वामित्र मिश्र
संस्थापक, याज्ञवल्क्य सेवार्थ संस्थानम्,
वाराणसी

समन्वयक
डॉ०. सनत कुमार
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

सह संयोजक
डॉ०. सुनील कुमार यादव
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

सह संयोजक
डॉ०. प्रदीप सिंह
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ

सह संयोजक
डॉ०. प्रवीण शुक्ला
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय

सचिव
वीरभद्र प्रताप सिंह
संस्थापक, दिवि वेलफेयर फाउन्डेशन,
वाराणसी

सह संयोजक
डॉ०. वत्शल शर्मा
लखनऊ विश्वविद्यालय

सह सचिव
डॉ०. आकाश सिंह
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

सह संयोजक
डॉ०. आशुतोष मिश्र
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय

सह संयोजक
कृष्णकान्त मिश्रा
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

सलाहकार समिति

प्रोफ़ेसर नरेन्द्र रुस्तगी
डायरेक्टर.ग्लोबल बिजनेश स्टडीज,
होवार्ड युनिवर्सिटी, वाशिंगटन,D.C.

वैद्य डॉ. पंकज कुमार सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर. विभागाध्यक्ष, कौमारभृत्य विभाग, पूर्वोत्तर आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थान (NEIAH), शिलांग

डॉ. देवेंद्र कुमार पाण्डेय
असिस्टेंट प्रोफेसर. राजनीति विज्ञान विभाग
गांधी स्मारक त्रिवेणी पी जी कॉलेज बरदह

डॉ०. सचिन मिश्र
असिस्टेन्ट प्रोफ़ेसर
राजकीय महिला महाविद्यालय,बाँदा

डॉ. चन्द्रेश उपाध्याय
असिस्टेन्ट प्रोफ़ेसर
शिवप्रसाद संस्कृत डिग्री कॉलेज, वक्सर

प्रो. देवेन्द्र कुमार
प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

डॉ. स्वाति मिश्रा
असिस्टेंट प्रोफेसर.समाजशास्त्र विभाग, आर्य महिला PG कालेज, बीएचयू

डॉ. रवि प्रकाश सिंह
असिस्टेन्ट प्रोफ़ेसर
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ,वाराणसी

डॉ. अवनीश पाण्डेय
असिस्टेन्ट प्रोफ़ेसर
सन्त गणिनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय,मऊ

डॉ. अभिषेक सिंह
संस्कृत अध्यापक
राजकीय संस्कृत कॉलेज, आरा

विशिष्ट सहायक

डॉ. सत्येन्द्र मिश्र- रानी तारा योगतंत्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
आचार्य मोहन दुबे –श्री राजराजेश्वरी वेद पाठशाला, काशी
श्रेया सिंह – शोधच्छात्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
डॉ. अक्षय सिंह- असिस्टेन्ट प्रोफ़ेसर, जय नारायण मिश्र पी जी कॉलेज,
डॉ. अम्बिकेश दुबे- 'अध्यक्ष, भारतीय ज्योतिष संस्थानम्'
विश्वास पाण्डेय- प्राध्यापक, बबुआ जी पी जी कालेज , पिण्डी देवरिया